बँसुरी – 1

वर्ग 3क लेल
कला विषयक पोथी

0337

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT not to be republished

0337 – बँसुरी – 1
वर्ग 3क लेल कला विषयक पोथी

आइएसबीएन 978-93-5292-464-6

पहिल संस्करण
जून 2024   ज्येष्ठ 1946

PD 1000T SU

© ***राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान आओर प्रशिक्षण परिषद्, 2024***

₹ 65.00

80 जीएसएम कागत पर एन.सी.इ.आर.टी. वाटरमार्कक सङ्ग मुद्रित,

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान आओर प्रशिक्षण परिषदक सचिव द्वारा प्रकाशन प्रभागसँ प्रकाशित श्री अरबिन्दो मार्ग, नऽब दिल्ली 110016 आओर नोवा पब्लिकेशन्स एण्ड प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नम्बर 9-10, सेक्टर-59, फेज-2, फरीदाबाद 121004 (हरियाणा) मे छपल अछि।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- एहि प्रकाशनक कोनो भागकँ प्रकाशक तेर पूर्व अनुमतिक बिना कोनो रूपमे वा कोनो माध्यमसँ इलेक्ट्रॉनिक, यान्त्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिङ्ग वा अन्यथा पुनर्निर्मित नहि कएल जा सकैत अछि, पुनर्प्राप्ति प्रणालीमे संग्रहित नहि कएल जा सकैत अछि अथवा प्रसारित नहि कएल जा सकैत अछि।
- ई पोथी एहि नियम केर अधीन बेचल जाएत अछि जे एकरा व्यापारक माध्यमसँ उधार नहि देल जाएत, बिन प्रकाशक केर सहमतिक एकरा फेरसँ नहि बेचल जाएत, किराया पर लेल जाएत वा अन्यथा निपटान कएल जाएत, जाहि रूपमे ई प्रकाशित कयल गेल अछि ओकर अतिरिक्त कोनो प्रकारक बाध्यकारी वा आवरणमे एकर उपयोग निषेध अछि।
- एहि प्रकाशनक उचित मूल्य एहि पृष्ठ पर जे छपल अछि से मूल्य अछि, रबर स्टाम्प वा स्टिकर वा कोनो अन्य माध्यमसँ सङ्केत देल गेल कोनो सन्शोधित मूल्य गलत अछि आ ओ अस्वीकार्य हेबाक चाही।

प्रकाशन कार्यालय प्रभाग, एन.सी.इ.आर.टी.

एन.सी.इ.आर.टी. परिसर
श्री अरबिन्दो मार्ग
नऽब दिल्ली 110 016 **फोन : 011-26562708**

108, 100 फीट रोड
होसडाकेरे होल्ली विस्तार
बनशङ्करी 3 स्टेज
बङ्गलुरू 560 085 **फोन : 080-26725740**

नवजीवन ट्रस्ट बिल्डिङ्ग
पी.ओ. नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 **फोन : 079-27541446**

सीडब्ल्यूसी कैम्पस
ओप्प धनकल बस स्टॉप
पानीहाटी
कोलकाता 700 114 **फोन : 033-25530454**

CWC क्यॉम्पस
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 **फोन : 0361-2674869**

प्रकाशन टीम

प्रमुख, प्रकाशन प्रभाग	:	*अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यवसाय प्रबन्धक	:	*अमिताभ कुमार*
प्रोडक्शन ऑफिसर	:	*जहान लाल*

डिजाइन आ लेआउट: रितु टोपा, आर्ट क्रिएशन्स, नऽब दिल्ली
चित्र: मोहित जोशी, मुम्बइ
आवरण: सन्तोष मिश्र, ऐमार्ट्स, दिल्ली

© NCERT not to be republished

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 द्वारा परिकल्पित स्कूली शिक्षामे मूलभूत चरण, बच्चासभक समग्र विकासक आधारशिला केर रूपमे काज करैत अछि। ई हुनका लोकनिकेँ मात्र देशक लोकाचार आ सम्वैधानिक व्यावस्थामे निहित अमूल्य संस्कारहिटाकेँ आत्मसात करबामे सक्षम नहि बनबैत अछि, अपितु बुनियादी अक्षरज्ञान आओर गणनाक ज्ञान प्राप्त करबामे सेहो सक्षम बनबैत अछि। ज्ञानक ई आधार हुनकासभकेँ कठिनतम तैयारीक चरणमे निर्बाध रूपसँ परिवर्तन हेतु तैयार करैत अछि, जे रचनात्मकताकेँ बढ़बैत अछि आ बच्चासभमे नैतिक मूल्य सेहो विकसित करैत अछि, जे जीवनभरि पोषित होइत रहैत अिछ

प्रारम्भिक चरण मूल आ मध्य चरण केर बीच एकटा सेतुक रूपमे काज करैत अछि, जे कक्षा 3 सँ कक्षा 5 तक तीन साल धरि पसरल अछि। एहि चरणमे देल गेल शिक्षा मूलभूत चरण केर शैक्षणिक दृष्टिकोण पर आधारित रहैत अछि। जखन की खेल, खोज, आ गतिविधि आधारित सिखबाक विधि तऽ निरन्तर अछिए, जाहिमे बच्चासभकेँ पाठ्यपुस्तक आ ओहोसँ बेसी औपचारिक कक्षाक परिवेशसँ सेहो परिचय कराओल जाइत अछि। एहि परिचयक उद्देश्य अभिभूत करब नहि अपितु पाठ्यचर्या क्षेत्रमे एकटा परिस्थिति निर्माण करब अछि, जाहिमे पढ़ब, लिखब, बाजब सङ्गहि चित्रकला, गायन, आ वादनक माध्यमसँ समग्र शिक्षा ओ आत्म-अन्वेषणकेँ बढ़ावा देनाइ अछि। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (N.E.P.) 2020क निरन्तरतामे विद्यालयी शिक्षाक हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रमक रूपरेखा (N.C.F.-S.E.) 2023 पर आधारित व्यापक दृष्टिकोणमे शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा, पर्यावरणीय शिक्षा, भाषा, गणित, सङ्ग बुनियादी विज्ञान, आ सामाजिक विज्ञान सम्मिलित अछि। यएह व्यापक दृष्टिकोण ई सुनिश्चित करैत अछि जे बच्चासभ संज्ञानात्मक-संवेदनशीलता आ शारीरिक-प्राणिक (भावनात्मक) दुनू स्तरपर सहजतासँ मध्य अवस्थामे पारगमन करबाक हेतु नीकसँ तैयार अछि।

पाठ्यपुस्तक, बँसुरी –1 कक्षा 3 क कला विषय हेतु अछि - ओ विषय जकरा N.C.F.-S.E. 2023क अनुसार पर्याप्त समयक आवण्टन सङ्ग पहिल बेर औपचारिक रूपसँ पाठ्यचर्या क्षेत्रमेसँ एक केर रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि। N.E.P. 2020 आ विद्यालयी शिक्षाक हेतु N.C.F. 2023क सिफारिश पर बनाओल गेल ई बच्चासभकेँ रचनात्मक अनुसरण दिस धरिटा मात्र अग्रसर नहि करैछ, अपितु पाँचम पञ्चकोश – आनन्दमय कोशकेँ सेहो खोलैत अछि।

© NCERT not to be republished

आशा अछि जे ई बच्चासभकेँ सङ्गीत, दृश्य कला, नाटक आ नृत्य एहन गतिविधिक आनन्द लेबाक सङ्ग कला विषय क्षेत्र केर प्रारम्भिक समझदारी केर विकात करबामे सक्षम बनाओत। सङ्गहि इहो अपेक्षा कएल जाइत अछि जे विकासक एहि चरणमे जीवनक सुन्दरता केर सराहना करबाक हेतु आवश्यक मूल्य आ स्वभावकेँ विकसित करबामे सहायता करत।

कार्यक्रमक रूपरेखा बनबैत समय, एकटा सर्वसमावेशी कक्षाक व्यवस्थाकेँ ध्यानमे राखल गेल। सभ दृश्य आ चित्रण विशेष आवश्यकतावला बच्चाक सहित सभ बच्चाक सहभागिता केर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करैत अछि। गतिविधिमे मूल्याङ्कन बिन्दु सम्मिलित अछि। विभिन्न कलारूप भारतक समृद्ध सांस्कृतिक व्यवस्था आ धरोहरिमे बहुत अन्तर धरि विस्तारित अछि, तेँ ई पोथी बँसुरी-1 बच्चासभक लेल सभ कलारूपक माध्यमसँ देशक विभिन्न भागक अनुभवात्मक यात्रा सुनिश्चित करैत अछि।

यद्यपि ई पाठ्यपुस्तक मूल्यवान तऽ अछि, मुदा बच्चासभकेँ एहि विषय पर अतिरिक्त संसाधनक अन्वेषण करबाक लेल प्रोत्साहित कएल जाएत। अभिभावक आ शिक्षकसभकेँ QR कोडक माध्यमसँ विद्यालयक पुस्तकालयसभ तथा I.C.T.-आधारित सन्साधनसभमे ओकर शोधकेँ सुविधाजनक बना कऽ अपन प्रयाससँ सहयोग करब आवश्यकता छैक। सीखक हेतु एकटा प्रभावी वातावरण छात्रसभकेँ प्रेरित करबाक सङ्ग व्यस्त सेहो रखैत अछि, आ जिज्ञासाकेँ सेहो बढ़बैत अछि। जे सीखबाक लेल महत्वपूर्ण अछि।

प्रारम्भिक चरण हेतु हम सभ छात्र आ शिक्षकसँ एहि पाठ्यपुस्तकक अनुशंसा बहुत विश्वासक सङ्ग करैत छी। हम एकरा विकासमे योगदान देनिहार सभक प्रति आभार व्यक्त करैत छी। ओना एन.सी.इ.आर.टी. प्रणालीगत सुधार आओर प्रकाशनक गुणवत्तामे सुधारक लेल प्रतिबद्ध अछि, मुदा हमसभ पाठ्यपुस्तक सामग्रीकेँ परिष्कृत करबाक लेल प्रतिक्रियाक स्वागत करैत छी।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान आओर प्रशिक्षण परिषद

नऽब दिल्ली
जून *2024*

© NCERT not to be republished

नमस्कार! शिक्षक आओर अविभावक

अहाँक हाथमे अछि, बँसुरी –1 कक्षा 3 क कला केर पोथी। ई पोथी एखनुक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (N.E.P.) 2020 आ स्कूल शिक्षा लेल राष्ट्रीय पाठ्यक्रमक रूपरेखा (N.C.F.-S.E.) 2023 केर नीतिगत दस्तावेजक आधार पर विकसित कएल गेल अछि। एहि दस्तावेजक उद्देश्य ई सुनिश्चित करब अछि जेँ सभबच्चा पाठ्यचर्या लक्ष्य (C.G.) आओर एहि आयु आ चरण हेतु उपयुक्त दक्षता प्राप्त करए। C.G. क आधार पर एकटा पाठ्यक्रम विकसित कएल गेल अछि, जाहिमे दक्षताक सङ्ग आग्रही चीज सीखल जा सकए। N.C.F.-S.E. कला विषयकेँ कक्षा 10 धरि अनिवार्य विषयक रूपमे सँ एक'क रूपमे सिफारिश कएलक अछि, आ इहो सिफारिश कएलक अछि जेँ विद्यालय कलाकेँ प्रति शैक्षणिक सत्र एक सय घण्टा देत, जाहिमे निम्नलिखित चारिटा घटक वा क्षेत्र अछि, अर्थात सङ्गीत, रङ्गमञ्च, नृत्य आ दृश्यकला। एहि तरहेँ पाठ्यपुस्तक बँसुरीकेँ चारि इकाइमे विभाजित कएल गेल अछि, जाहिमे सब इकाइमे 5 गोट अध्याय अछि। प्रत्येक अध्यायमे बहुत रास गतिविधि अछि जेँ एहि वर्गक बच्चा अहाँक हस्तक्षेपसँ सुलभतासँ हल कऽ सकत। अन्वेषण आ रचनात्मकताक प्रक्रियामे अहाँकेँ बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाबय पड़त जकर अनुभव सब बच्चा साल भरि करएबला अछि।

> शिक्षा-नीति सभ स्तरपर शिक्षककेँ अपन समाजक सबसँ सम्मानित आ आवश्यक सदस्यक रूपमे पुनः स्थापित करयमे सहयोग करत, किएकी ओ वास्तवमे समाजक अगिला पीढ़ीक नागरिककेँ गढता। एहि नीतिकेँ शिक्षकसभकेँ सशक्त बनएबाक हेतु सब किछु करबाक चाही आ हुनका यथासम्भव अपन काज प्रभावी ढंगसँ करयमे सहयोग करबाक चाही।
>
> — NEP 2020, परिचय

अहाँके बूझल अछि की?

संभवतः ई पहिल बेर अछि जखन छात्रक लेल शुरुआती चरण हेतु कलाक पाठ्यपुस्तक विकसित कएल गेला जे व्यक्तिगत सङ्ग समूहमे सहो किछु बनएबाक, लिखबाक, पढ़बाक आ अन्य गतिविधि करबाक हेतु स्थान दैत अछि। यद्यपि बच्चा सभ छोट मञ्चसँ गायन, नृत्य, मिमिक्री तथा लेखन शुरू कऽ दैत अछि, आओर एहिसँ पहिने जे ई विद्यालयी प्रक्रियाक औपचारिक हिस्सा बनि जाइत अछि। ई हुनक पहिल अनुभव होइत जाहिमे अहाँक सक्षम मार्गदर्शनमे सङ्गीत, रङ्गमञ्च, नृत्य आ दृश्यकलाक एकटा सम्मिलित तथा सार्थक कला वर्ग हएत - समूहमे एक सङ्ग काज करब, अपन विचार आ भावनाक आदान-प्रदान करब, जाहिमे अहाँक सभटा छात्रक कलात्मक यात्रा शामिल अछि, जे समावेशी वातावरणमे काज करैत अछि, अपन राष्ट्रीय विरासतक प्रति सचेत रखैत अछि।

© NCERT not to be republished

'बँसुरी'क प्रयोग कोना करब?

एहि पोथीकेँ चारि इकाइमे विभाजित कएल गेल अछि आ उपयोगानुकूल बनएबाक हेतु सब इकाइ केर अलग रङ्ग अछि। बच्चासभकेँ पुस्तकमे प्रयुक्त रङ्गीन कोड केर प्रति जागरूक कएल जा सकैत अछि तथा दृष्टिबाधित बच्चासभक लेल N.C.E.R.T. वेबसाइट पर ऑडियो पोथी सेहो उपलब्ध रहत —

नीलरङ्ग सङ्गीत हेतु

पीयर दृश्यकला हेतु

बैङ्गनी रङ्गमञ्च हेतु

गुलाबी नृत्य हेतु

चारिटा कला रूपमे सभक एकटा इकाइ अछि, जे ओकरे समर्पित अछि। यद्यपि ओ सभ अपना स्थान पर अद्वितीय अछि, मुदा बच्चासभ जकाँ ओहिमे सेहो बहुत रोचक समानता अछि। इकाइ केर आरम्भ ओहि कलारूपक परिचयसँ होइत अछि जकर अनुभव शिक्षार्थी करत। अहाँक हेतु गतिविधिकेँ व्यवस्थित करबाक आ संसाधनक खोज करबाक हेतु बहुत रास सङ्केत अछि, विशेष रूपसँ प्रत्येक अध्यायक क्यूआर कोडमे सम्मिलित संसाधन। जँ अहाँक लग इन्टरनेट केर सुविधा नहि अछि तँ अहाँ वा त बच्चासभकेँ प्रदर्शनमे लऽ जा सकैत छी अथवा स्थानीय कलाकार, लोक-सङ्गीतकार, नर्तक, आ अन्य कलाकारसभकेँ परिचर्चा हेतु विद्यालयमे आमन्त्रित कऽ सकैत छी। बहुतो अविभावक आ समाजक अन्य सदस्य जे कोनो कलारूपमे कुशल छथि बच्चासभक हेतु प्रस्तुति देबक लेल सहमत भऽ सकैत छथि। विद्यालयमे लगातार कलाकार आ प्रस्तुतिकर्त्ताक सङ्ग परिचर्चाक सत्र बेर-बेर आयोजित कएल जा सकैत अछि, जतय बच्चासभकेँ प्रश्न पूछबाक हेतु प्रोत्साहित कएल जा सकैत अछि। बच्चासभक हेतु ई प्रेरणादायक हएत। अहाँकेँ प्रयोजन पड़त जे बच्चासभकेँ कक्षासँ बाहर लऽ जाइ। ओकरा विद्यालयक भीतर-बाहर, अगल-बगल केर बातावरण देखबाक, प्रकृतिकेँ अनुभव करबाक आओर चारूकातक लोक केर दैनिन्दनी गतिविधि

© NCERT not to be republished

केर अवलोकनक आवश्यकता अछि। नृत्य आ नाट्य प्रदर्शन, सङ्गीत कार्यक्रम तथा कला-प्रदर्शनी देखबाक हेतु यात्राक आयोजन बच्चासभ हेतु प्रेरणाक काज करत। बहुतेक गतिविधि सभक सुझाव देल गेल अछि; जाहिमे सँ अहाँ अपन गतिविधि चुनि सकैत छी। प्रयोजन भेला पर एहन आओर गतिविधि बना सकैत छी आ स्थानीय रूपसँ उपलब्ध सामग्रीक तथा अन्य सन्साधनक सन्दर्भमे सेहो ओकरा प्रासङ्गिक बना सकैत छी। ई ध्यान राखब महत्वपूर्ण अछि जे एहि पोथीक अधिकांशतह गतिविधि बिना कोनो विशेष संसाधनक कएल जा सकैत अछि, अथवा मात्र सरल आ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनक सङ्ग सञ्चालित करबाक लेल अनुकूलित कएल जा सकैत अछि।

समय-सारणीकेँ एना कऽ डिजाइन कएल जएबाक चाही जे बच्चासभकेँ सब सप्ताह आवण्टित चारू कलारूपक हेतु निर्दिष्ट अवधि रखबाक अवसर भेटए। जँ सम्भव हो, तऽ बच्चासभ हेतु गतिविधिक लेल एकटा निर्धारित कक्षा वा दूटा सञ्जुक्त कक्षा राखल जा सकैत अछि, किएकी सभ गतिविधि बहुतहि आकर्षक आ मनोरञ्जक होइत अछि। (N.E.P.) 2020 कला सहित सभ विषयकेँ समान महत्व दैत अछि। एहनमे माता-पितासँ विनम्र अनुरोध अछि जे ओ अपन बच्चासभकेँ घरमे कला गतिविधि कएला पर हतोत्साहित नहि करथि। शिक्षक आ विद्यालय दुनुकेँ ई सुनिश्चित करए पड़त जे कला विषयक हेतु आवण्टित कक्षाक समय केर उपयोग अन्य विषयक हेतु नहि कएल जाइ।

सब कला कक्षाक शुरुआतमे किछु काल धरि बच्चासब आँखि बन्द कऽ बैसि सकैत अछि आ पछिला कक्षामे कएल गेल काजकेँ मोन पारि सकैत अछि जे ओ की कएने छल।

अन्तिम 10 मिनटकेँ 'सर्कल टाइम' केर रूपमे चर्चा हेतु राखल जा सकैत अछि। जेना कि सुझाब देल गेल अछि रङ्गमञ्च अनुभागमे, सभ बच्चा सङ्गोरमे बैसि कऽ शिक्षक सङ्ग स्वतन्त्र चर्चा करैत छथि। मुदा एहि बेर, ई मात्र बच्चाक हेतु अनौपचारिक अछि। शिक्षकसभकेँ अपना हेतु नोट लिखि कऽ राखए पड़ैत छनि जे हुनका अगिला पाठ योजनामे काज आबि सकत।।

बच्चाक हेतु सीखक समग्र वातावरण केर अवधारणा बुझबाक लेल ई भावना पाठ्यपुस्तक आ

© NCERT not to be republished

शिक्षाशास्त्रमे पूर्ण रूपसँ प्रतिबिम्बित होइत अछि। ओ सभ चाहे समूहमे अथवा व्यक्तिगत रूपसँ काज करए शिक्षककेँ ओकरा सभकेँ सहयोग आ समर्थन करबाक चाही। एहिसँ बच्चामे विभिन्न कौशल केर विकासक परिस्थिति बनैत अछि। ई बात एहि पोथीक चारू कलारूपक हेतु सत्य अछि। बच्चासभकेँ अपना चारुकातक चीजकेँ अन्वेषण आ अवलोकन करबाक चाही आओर घरमे आ कक्षामे कएल काजक अभ्यास करक चाही।

एकटा बच्चामे योग्यता आ कौशल केर विकासक स्तरकेँ प्रगति चिह्नित करबाक हेतु मूल्याङ्कन उपकरणक सुझाव सेहो देल गेल अछि। कलामे कोनो उत्तीर्ण वा अनुत्तीर्ण नहि होइत अछि, एहि स्तर पर नहि किछु बढ़िया अथवा खराब होइत अछि। सुधारक सम्भावना सदिखन रहिते छैक, आओर बच्चासभकेँ बिनु हतोत्साहित भएने अवधारणाक आधार पर गतिविधि पूरा करबाक हेतु प्रोत्साहित कएल जएबाक चाही। शिक्षा ओकरा सभक हेतु एकटा दीर्घ यात्रा छैक आ जेना सब बच्चा अलग होइछ, तहिना ओकर सभक कौशल आ अभिव्यक्ति सेहो भिन्न होइत छैक, आ ई वैविध्य ओकर नेनपन केर सुन्दरता छैक। ककरो प्रदर्शनक तुलना कक्षामे दोसराक सङ्ग नहि कएल जएबाक चाही। एकर बदलामे ओकर व्यक्तिगत प्रगतिक मूल्याङ्कन करबाक आवश्यकता अछि। ओकरा सभकेँ सुधारक हेतु अपनाआपसँ प्रतिस्पर्धा करय पड़त।

कला वर्गक हेतु अहाँके की चाही?

कलाक सभ गतिविधिक हेतु साफ-सुथरा स्थानक आवश्यकता होइत छैक जे कक्षाक भीतर वा बाहर कतौ भऽ सकैत अछि, जतए बच्चा सभ स्वतन्त्र रूपसँ घुमि-टहैल सकइ। रङ्गमञ्चक मञ्च-सामग्रीक हेतु बहुत साधारण सामग्रीक आवश्यकता होएत: कला सामग्री - उपकरण आ किछु साधारण लेखन-सामग्री; सामग्रीक सङ्ग छात्रसभक कलाकृतिकेँ व्यवस्थित रूपसँ सङ्ग्रहित करबाक लेल सुरक्षित स्थान; बच्चासभक काजक प्रदर्शन करबाक हेतु डिस्प्ले बोर्ड; ऑडियो-वीडियो सन्साधन चलाएबाक हेतु कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, आओर स्पीकर; सरल वाद्ययन्त्र आदि। सुनिश्चित करू जे ई सामग्री आ संसाधन सभ स्थानीय रूपसँ उपलब्ध हो आओर ओकर नीकसँ उपयोग करएबला होइ।

© NCERT not to be republished

हमरा आशा अछी जे ई पोथी शिक्षक आ अभिभावक दुनुकेँ रोचक आ उपयोगी लागत, जे सब कलावर्गकेँ रोमाञ्चित करत आ आगा किछु विशेष केर अपेक्षा कऽ सकैत अछि। अहाँक फीडबैक एहि पुस्तक केर संरचना आ सामग्रीमे आओर सुधार करबामे समुचित सहायता करत। सबटा बढ़ैत बच्चाक जीवनमे दृश्यकला आ प्रदर्शनकलाकेँ अभिन्न अङ्ग बनएबाक ई एकटा निरन्तर प्रयास अछि- ओकरा सभमे कौशल केर विकास काल्हि ओकरा आत्मविश्वासी, भावनात्मक रूपसँ मजगूत, आ एकटा सन्तुलित नागरिक बनाओत।

ज्योत्सना तिवारी
अकादमिक समन्वयक,
प्रोफेसर आ प्रमुख,
कला आ सौंदर्यशास्त्र, शिक्षा विभाग
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान आ प्रशिक्षण परिषद्

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवम् शिक्षण अधिगम सामग्री समिति (NSTC)

1. एम. सी. पन्त, कुलाधिपति, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवम् प्रशासन संस्थान (N.I.E.P.A.) (अध्यक्ष)
2. मञ्जुल भार्गव, प्रोफेसर, प्रिन्सटन विश्वविद्यालय (सह-अध्यक्ष)
3. सुधा मूर्ति, प्रसिद्ध लेखक आ शिक्षाविद
4. बिबेक देबरॉय, अध्यक्ष, आर्थिक सलाहकार परिषद-प्रधानमन्त्री (E.A.C.-P.M.)
5. शेखर माण्डे, पूर्व डी.जी., सी.एस.आइ.आर. आ विशिष्ट प्रोफेसर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
6. सुजाता रामदोराइ, प्रोफेसर, ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय, कनाडा
7. शङ्कर महादेवन, सङ्गीत विशेषज्ञ, मुम्बइ
8. यू. विमल कुमार, निदेशक, प्रकाश पादुकोण बैडमिण्टन अकादमी, बङ्गलुरू
9. मिशेल डेनिनो, विजिटिङ्ग प्रोफेसर, आइ.आइ.टी. – गान्धीनगर
10. सुरीना राजन, आइ.ए.एस. (सेवानिवृत्त), हरियाणा; पूर्व डी.जी., एच.पी.ए.
11. चामू कृष्ण शास्त्री, अध्यक्ष, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मन्त्रालय
12. सञ्जीव सान्याल, सदस्य, आर्थिक सलाहकार परिषद-प्रधानमन्त्री (EAC-PM)
13. एम. डी. श्रीनिवास, अध्यक्ष, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नइ
14. गजानन लण्ढे, प्रमुख, कार्यक्रम कार्जालय, एन.एस.टी.सी.
15. रॉबिन छेत्री, निदेशक, एस.सी.इ.आर.टी., सिक्किम
16. प्रत्यूषा कुमार मण्डल, प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा विभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली
17. दिनेश कुमार, प्रोफेसर आ प्रमुख, योजना आ निगरानी प्रभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली
18. कीर्ति कपूर, प्रोफेसर, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली
19. रञ्जना अरोड़ा, प्रोफेसर आ प्रमुख, पाठ्यक्रम अध्ययन आ विकास विभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली (सदस्य-सचिव)

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक विकास दल

अध्यक्ष

शङ्कर महादेवन, सङ्गीत विशेषज्ञ, मुम्बइ

योगदानकर्ता

अनुतोष देब, टी.जी.टी. कला (सेवानिवृत्त), केन्द्रीय विद्यालय, गुवाहाटी

आराधना गुप्ता, प्रमुख (सेवानिवृत्त), चित्रकला विभाग, माडर्न विद्यालय, बाराखम्बा रोड, नऽब दिल्ली

बिदिशा हाजरा, सहायक प्रोफेसर, सङ्गीत, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर

बिन्दु सुब्रमण्यम, सह-संस्थापक, सुब्रमण्यम अकाडेमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एस.ए.पी.ए.), बङ्गलुरु

चिन्थू साची, सङ्गीत शिक्षक, सुनाड, बङ्गलुरु

फनीन्द्र शर्मा, सलाहकार, कार्यक्रम कार्जालय, एन.एस.टी.सी.

गोविन्दराजू भारद्वाज, निदेशक, स्कूल ऑफ परफार्मिङ्ग एण्ड विजअल आर्ट्स, आइ.ग.न.ओ.यू., नऽब दिल्ली

मालविका राजनारायण, दृश्य कलाकार आओर शिक्षक, विजिटिंग फैकल्टी, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रियदर्शिनी घोष, कलात्मक निर्देशक, प्रियदर्शिनी आर्ट्स, कोलकाता

राजश्री एसआर, संस्थापक-कलात्मक निर्देशक, व्योमा आर्ट स्पेस एण्ड स्टूडियो थिएटर, बङ्गलुरु

रिम्सी खन्ना, सहायक प्रोफेसर, कला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नऽब दिल्ली

शर्बरी बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, कला आ सौंदर्यशास्त्र, शिक्षा विभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली

श्रीधर रङ्गनाथन, संस्थापक आ सीईओ, शङ्कर महादेवन अकादेमी, बङ्गलुरु

समीक्षक

अनुराग बेहर, सी.इ.ओ., अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, सदस्य, एन.ओ.सी.

मञ्जुल भार्गव, प्रोफेसर आ सह-अध्यक्ष, एन.एस.टी.सी

सन्ध्या पुरेचा, अध्यक्ष, सङ्गीत नाटक अकादमी, नऽब दिल्ली

समन्वयक सदस्य

ज्योत्सना तिवारी, प्रोफेसर एवम् प्रमुख, कला आ सौंदर्यशास्त्र, शिक्षा विभाग, एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान आ प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.इ.आर.टी.), राष्ट्रीय पाठ्यचर्जा निरीक्षण समिति (एन.सी.एफ.ओ.सी.)क अध्यक्ष आ सदस्यसब, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह (सी.ए.जी.)कलाक अध्यक्ष आ सदस्यसब आओर आन पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहक सदस्यक आभार ज्ञापित करैत अछि, जेँ एहि पोथीक निर्माण आ एकरा एकटा व्यवस्थितरूप देबामे अपन मार्गदर्शन ओ सहजोग देलथि।

एहि पोथीमे लैङ्गिक एकीकरण, समावेशन, मूल्याङ्कन आदिक समीक्षाकेँ अपन सङ्काय केर वरिष्ट सङ्काय सदस्य-सुनीति सनवाल, प्रोफेसर आ प्रमुख, प्रारंभिक शिक्षा विभाग; इन्द्राणी भादुड़ी, प्रोफेसर आ प्रमुख, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग; विनय सिंह, प्रोफेसर आ प्रमुख, शिक्षा विभाग विशेष आवश्यकता समूह तथा मिल्ली रॉय प्रोफेसर आ प्रमुख, जेण्डर अध्ययन विभाग केर एहि पोथी केर प्रति आभारी अछि।

सिद्धि गुप्ता, सङ्काय, सृष्टि मणिपाल कला, डिजाइन आ प्रौद्योगिकी संस्थान, बङ्गलुरूक प्रयास; सुधन्वा ए.के., निदेशक, नवा क्षितिज आ सहायक प्रोफेसर, रेवा विश्वविद्यालय, बङ्गलुरू; दीपा श्रीधर, निदेशक, शङ्कर महादेवन अकादमी; आ विदुषी ज्योति भट, भरतनाट्यम प्रशिक्षक, पूर्णपरमती, बङ्गलुरूकेँ एहि पाठ्यपुस्तकक विकासमे सहयोग देबाक लेल आभार ज्ञापित कएल जाइत अछि।

हम निम्नलिखित व्यक्ति आ संस्थानक प्रति आभार व्यक्त करैत छी जे अपन सन्साधनक उपयोग लिखित सामग्री, चित्र, फोटो आ ऑडियो-वीडियो सामग्रीक रूपमे करबाक अनुमति देलनि - राष्ट्रीय संग्रहालय, नब दिल्ली; नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नब दिल्ली। राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय आ हस्तकला अकादमी, नब दिल्ली; सांस्कृतिक अनुसन्धान आ प्रशिक्षण केन्द्र, नऽब दिल्ली; दस्तकारी हाट समिति, नब दिल्ली; केन्द्रीय चिन्मय मिशन ट्रस्ट, सी.सी.एम.टी. आ सुब्रमण्यम एकेडमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स; शङ्कर महादेवन अकादमी; सुनाद, बङ्गलुरू, चिल्ड्रेन लिटिल थिएटर, कोलकाता; व्योमा आर्टस्पेस आ स्टूडियो थिएटर, बङ्गलुरू; सुनीता कनविन्दे, डिजाइनर, नब दिल्ली आ अनुतोष देब, टी.जी.टी. आर्ट्स एजुकेशन (सेवानिवृत्त), गुवाहाटी क्षेत्र, केन्द्रीय विद्यालय सङ्गठन। हम केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर 2, आर. के. पुरम, नब दिल्ली, केन्द्रीय विद्यालय,

© NCERT not to be republished

एन.सी.इ.आर.टी., नऽब दिल्ली आ केन्द्रीय विद्यालय, डोगरा लाइन्स, मेरठ केर प्रधानाध्यापकसभक आभार व्यक्त करैत छी जे छात्रसभक कला कृतिक चित्र आ प्रदर्शन करएबला बच्चासभक फोटो उपलब्ध करौलनि।

परिषद एहि पाठ्यपुस्तकक संपादनक लेल एन.सी.इ.आर.टी. केर प्रकाशन प्रभागक संपादक (संविदात्मक) इल्मा नासिरक प्रयासकेँ स्वीकार करैत अछि। पवन कुमार बैरियार, प्रभारी, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ, प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.इ.आर.टी. क प्रयास आ कठिन परिश्रम; पूनम, डी.टी.पी. ऑपरेटर (अनुबन्धात्मक) आ एल. गुइट, प्रूफ रीडर (कॉन्ट्रैक्चुअल), प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.इ.आर.टी. एहि दस्तावेजकेँ अन्तिम रूप देबाक लेल सराहना कएल जाइत अछि।

© NCERT
not to be republished

Constitution of India

Part IV A (Article 51 A)

Fundamental Duties

It shall be the duty of every citizen of India —

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wildlife and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

*(k) who is a parent or guardian, to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

Note: The Article 51A containing Fundamental Duties was inserted by the Constitution (42nd Amendment) Act, 1976 (with effect from 3 January 1977).

*(k) was inserted by the Constitution (86th Amendment) Act, 2002 (with effect from 1 April 2010).

© NCERT not to be republished

प्रिय विद्यार्थी,

अहाँक हाथमे एखन बँसुरी –1 अछि, जे अहाँक कला विषयक पोथी अछि। हम आशा करैत छी जे अहाँ एकर खूब आनन्द लेब! ई अहाँकेँ रचनात्मकताक एकटा रोचक यात्रा पर लऽ जाएत आ अहाँकेँ अपन परिवेशसँ एकटा नव प्रकारसँ पुन: परिचित कराओत।

हम जनैत छी जे अहाँमे सँ अधिकांश पहिनहुँसँ कोनो ने कोनो प्रकारक कला रूपमे शामिल छी। मुदा अहाँ ओकरा सभकेँ कलारूप केर रूपमे नहि चिन्ह सकैत छी, मुदा ई ओ सभ अछि जे अहाँ करैत आबि रहल छी - नृत्य, वाद्ययन्त्र बजाएब, डूडलिङ्ग, चित्रकारी, पेन्टिङ्ग, माटि आ कागतसँ मॉडल बनाएब, आओर निश्चित रूपसँ गायन, नकल उतारब आ अभिनय करब। जे सभ कलाक गतिविधि करैत छथि ओ अपन दैनिक जीवन केर खूब आनन्द लैत छथि।

अहाँ चाहे जाहि विद्यालयमे छी वा घरमे, अथवा जतए जाइत छी, हमरासभक चारूकात उड़ैत चिड़ैसँ लऽ क क्रियाशील लोकसभ धरि सरल वस्तुक अवलोकन करब रोचक अछि। हम प्रकृतिमे वा ओकर लगपासमे सेहो रहैत छी, जे हमर कलाक लेल प्रेरणाक सबसँ पैघ स्रोत अछि।

तेँ बौआ घर, विद्यालय, खेलक प्राङ्गण अथवा यात्राक समय अपना चारूकात देखू। जतए जाएब, कला भेटत। कखनहुँ प्रकृति द्वारा तऽ कखनहुँ मनुख द्वारा बनाओल। एहि सभकेँ अवलोकन करब आ सीखब अहाँकेँ बहुत रोचक लागत!

की अहाँ जनैत छी जे मनुष्य आरम्भहिसँ रचनात्मक रहल अछि? मनुष्य बाजब वा लीखब शुरू करबासँ पहिने ओ देबाल पर चिचरी खिचैत छल, गबैत आ नचैत छल। विशेष रूपसँ भारतमे कलामे दृश्य कलासँ लऽ कऽ कविता, सङ्गीत, नृत्य आ रङ्गमञ्चमे

© NCERT not to be republished

बहुत समृद्ध परम्परा रहल अछि-जे हजारो वर्ष पहिने आओर कतेको आन विषयसँ बहुत गहींर सम्बन्ध रखैत अछि। कला हमरासभक चारू कात कोनो ने कोनो रूपमे अछि आ हम सभ निर्माण, प्रदर्शन, देखए आ ओकरा अनुभव करबामे आनन्द लैत छी। कला हमर सभक जीवनकेँ सुन्नर बनबैत अछि आ खुशी दइछ। एकर अतिरिक्त, अहाँक भीतर सदिखन एकटा कलाकार रहैत अछि, जे सृजन, अनुभव वा प्रदर्शन करबाक लेल उत्सुक रहैत अछि।

बँसुरीमे अहाँ चारिटा कला रूपक माध्यमसँ कतेको मजगर गतिविधिक अन्वेषण आ अनुभव करब-

1. **दृश्य कलामे**, अहाँकेँ ड्राइंग, पेण्टिङ्ग, कटिङ्ग, पेस्टिङ्ग, आ माटिक सङ्ग रङ्ग आ प्राकृतिक वस्तु आदिक सामग्री केर सङ्ग खेलबामे मोन लागत।
2. **सङ्गीतमे**, अहाँ देशक विभिन्न भागक गीतक अन्वेषण करब, ओकरा कतेको भाषामे गाएब आ बजाएब सिखब सङ्ग विभिन्न वाद्ययन्त्रक विषयमे जननाइ सीखब।
3. **नृत्यमे**, अहाँ स्वतन्त्र रूपसँ घुमनाइ सीखब आ ताल एवम् गीतक गतिक आनन्द लेब, हाथ-पैरक भिन्न मुद्रा (हाव-भाव) क विषयमे जानब आओर बहुत किछु सीखब।
4. आओर निस्सन्देह, **रङ्गमञ्चमे** अहाँकेँ विदूषक नीक लागत जे अहाँकेँ खिस्सा, पिहानी, अभिनय, मञ्चीय प्रदर्शन आदिसँ जुड़ल जात्रा पर लऽ जाएत।

तँ बौआ, कलाक अन्वेषण करबाक हेतु तैयार भऽ जाउ, बहुत आनन्द आओत आ भऽ सकैत अछि तऽ अपन शिक्षक, मित्र आ परिवार केर लोकक सङ्ग प्रतिदिन किछु नऽब बनाउ!

© NCERT not to be republished

सामग्री-विवरण

प्रस्तावना .... *iii*

नमस्ते! शिक्षक आओर अभिभावक .... *v*

प्रिय विद्यार्थी .... *xv*

दृश्य कला

1. कलामे वस्तु 3
2. कलामे गाछ-वृक्ष 12
3. कलामे जीव-जन्तु 22
4. अपन चारूकातक लोक 30
5. पाबनि-तिहार, अवसर आ उत्सव 35

सङ्गीत

6. आउ राष्ट्रगान गबैत छी 43
7. लय केर अनुभव करू-ता क ता की ता 45
8. चारूकातक जतरा 58
9. सङ्गीत वाद्ययन्त्र 64
10. उत्सवे उत्सव 71

© NCERT not to be republished

नृत्य आओर भङ्गिमा

11. आउ न' नाची 82
12. आनन्दक लेल नृत्य 88
13. आउ न' नाची खेलाइ 93
14. प्रकृतिक सङ्ग नृत्य 98

रङ्गमञ्च

15. आउ ज्ञात करैत छी 107
16. कल्पनाक संसार 118
17. आउ किछु बनाबी 124
18. अपना चारूकात देखू 128
19. क्रियाकलाप 135

20. सभटा कलारूपक एकीकरण 137

© NCERT not to be republished